हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–107 : जौनपुर, सोमवार 13 जून 2022 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

इजराइल के प्रतिनिधिमंडल से मिले मुख्यमंत्री योगी : प्रदेश के विकास में मिलेगा सहयोग

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज उनके 5 कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन के नेतृत्व में इजराइल के एक सरकारी प्रतिनिधमंडल ने भेंट की। भेंट–वार्ता के दौरान इजराइल के राजदूत ने हालिया विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी की अभूतपूर्व विजय पर उन्हें बधाई दी, जिस पर मुख्यमंत्री जी ने आभार ज्ञापित किया। वार्ता के दौरान राजदूत नाओर गिलोन ने कहा कि इजराइल और भारत के बीच मजबूत सामरिक संबंध हैं। उत्तर प्रदेश के साथ हम कई क्षेत्रों में अच्छे सहयोगी की भूमिका में हैं। निकट भविष्य में इजरायल रक्षा, पुलिस आधुनिकीकरण, कृषि आधुनिकीकरण, किसानों को पानी के बेहतर उपयोग, बुंदेलखंड में पेयजल उपलब्धता और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का सहयोग करने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इजराइल के राजदूत के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आई टीम का हार्दिक स्वागत है। भारत और इजराइल के द्विपक्षीय संबंध सतत प्रगाढ़ हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच 30 वर्ष से मजबूत राजनयिक संबंध रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में अपनी इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की थी। इस दौरे में उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था। हाल के वर्षों में भारत–इजराइल के परस्पर संबंध नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उत्तर प्रदेश दोनों देशों के बीच परस्पर संबंधों की बेहतरी में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इजराइल के सहयोग से उत्तर प्रदेश के जनपद बस्ती और कन्नौज में दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित हुए थे, दोनों ही अपने उद्देश्यों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। हमारी योजना हॉर्टिकल्चर और सब्जी उत्पादन क्षेत्र में नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। इस कार्य में भी हमें इजराइल से आवश्यक सहयोग प्राप्त होगा। ड्रोन और एंटी ड्रोन तकनीक में इजराइल के पास अच्छा अनुभव मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्थापित हो रहा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर इजराइल के लिए निवेश के अवसरों से भरा हुआ है। हमारे पास विशाल भूमि है, पर्याप्त मानव संसाधन है। हम रक्षा

उत्पादन की इच्छुक निवेशक कंपनियों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। इजराइल के लिए यह अच्छा मंच है। ड्रोन और एंटी ड्रोन तकनीक में इजराइल के पास अच्छा अनुभव है। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर में निवेश के लिए विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आबादी के हिसाब से सबसे उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। 25 करोड़ की जनसंख्या के साथ यहां बड़ा बाजार भी है। प्रदेश में कृषि के साथ–साथ खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं। इजराइल इस क्षेत्र में अपने प्रस्ताव दे सकता है। राज्य सरकार द्वारा नई दिल्ली के निकट यमुना इंडस्ट्रियल एक्सप्रेसवे पर मेडिकल डिवाइस पार्क का विकास किया जा रहा है। इजराइल की कम्पनिया यहां निवेश के लिए आमंत्रित हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई व पेयजल के क्षेत्र में इजराइल के तकनीकी सहयोग से नवीन परियोजना प्रस्तावित है। इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट आ चुकी है, जल्द ही डीटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। इस परियोजना की सफलता बुंदेलखंड के किसानों को 12 महीने फसल प्राप्त करने में उपयोगी होगी, और हर घर नल योजना अपने उद्देश्यों में सफल होगी। राजदूत ने मुख्यमंत्री योगी को समय देने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इजराइल और भारत सरकार के बीच मजबूत सामरिक और रणनीतिक सम्बंध हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी जी की 2017 की यात्रा के बाद और प्रगाढ़ हुए हैं तथा दोनों देश नए क्षेत्रों में मिलकर कार्य कर रहे हैं। इजराइल की सरकार उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में, पेजजल की बेहतर उपलब्धता और जल संरक्षण के क्षेत्र में जो कार्य कर रहे हैं , उसे आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ साथ डिफेंस, पुलिस मॉर्डनाइजेशन और उद्योगों के विकास में तकनीक हस्तांतरण भी करेंगे। उत्तर प्रदेश और इजराइल संयुक्त समूह बनाकर इन कार्यों को गति देंगे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का किया गया विस्तृत निरीक्षण

जौनपुर सू.वि. : वार्षिक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थिति पंजिका देखी गई, जिसमें पेशकार अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व सदानंद प्रजापति, पेशकार नगर मजिस्ट्रेट प्रेम कुमार वर्मा, वीडर शैलेंद्र श्रीवास्तव सहित सीआरए सतीश श्रीवास्तव अनुपस्थित मिले जिनका आज का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। सी.आर.ए की पूर्व में अनुशासनहीनता की शिकायत प्राप्त होने व निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित होने पर प्रतिकूल प्रविष्टि एवं अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय की अध्यक्षता में एक टीम गठित कर जांच कराए जाने व जांच के उपरांत विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने रजिस्टर नंबर 4 व 6, गार्ड फाइल, दाखिल दफ्तरी, खतौनी, मालखाना सहित अन्य रिकार्डो की समीक्षा की। निरीक्षण में अभिलेख अपडेट मिले और जिनमें कमियां मिली उन्हें ठीक करने के निर्देश सम्बंधित पटल सहायक को दिया। जिलाधिकारी ने मानवाधिकार के लंबित प्रकरण की जानकारी ली और समय से निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को निर्देश दिया कि ऑडिट आपत्ति के मामलों का अभियान चलाकर

निस्तारण कराया जाए। उप जिलाधिकारी केराकत की जीपीएफ पुस्तक सहित अन्य पुस्तके देखी जो कि अपडेट मिली। नाजिर कलेक्ट्रेट को निर्देश दिया कि तत्काल बायोमेट्रिक सिस्टम लगाया जाए। डीएलआरसी को निर्देशित किया कि पट्टो की नई फाइल बनाई जाए। राजस्व वादों के 05 साल से पुराने प्रकरणों को अभियान चलाकर निस्तारण कराने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश को निर्देशित किया कि एक सॉफ्टवेयर डेवलप किया जाए जिससे फाइलों को ट्रैक किया जाए। आइजीआरएस प्रकरणों की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जिन विभागों के द्वारा सबसे खराब प्रगति है, रैंक खराब है उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाए। इस अवसर पर ई.आर. के अशोक कुमार मिश्रा, पुष्पा श्रीवास्तव, हारून रशीद, शैलेंद्र श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उड़ान टीम द्वारा युवा वरिष्ठ कवि सम्मेलन एवं धरोहर सम्मान समारोह संपन्न

इन्दौर, मध्यप्रदेश (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : धरोहर अर्थात् वह संस्कार या सांस्कृतिक विरासत जो हमें हमारे बुजुर्गों से मिली है। हमारे पूर्वजों ने अपने संघर्षशील जीवन से जो अनुभव प्राप्त किएं, वही अनुभव आज नई पीढ़ी का जीवनपथ प्रदर्शित कर रहे है। पीढ़ी दर पीढ़ी प्रगति, उत्तरोत्तर उन्नति व एक आदर्श समाज की परिकल्पना का जो स्वप्न हमारे पूर्वजों ने हमारी नई पीढ़ी को विरासत के रूप में दिया है। हम सभी ऐसे ही आदर्श समाज के निर्माण के लिएं प्रयासरत् है, किन्तु हमारे प्रयास बुजुर्गों की गरिमामयी उपस्थिति व उनके आशीर्वाद के बिना अधुरे है। इसी आदर्श विचार व विरासत के सम्मान के शुभ संकल्प के साथ संस्था विद्याजंलि भारत मंच ने साहित्य समाज के वरिष्ठ साहित्यकारों को '' धरोहर सम्मान '' से सम्मानित किया। साहित्यिक आयोजन में वरिष्ठ गजलकार रशीद अहमद शेख, गीतकार चकोर चतुर्वेदी व गजलकार बालकराम जी शाद का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के अंतर्गत कवि सम्मेलन में नगर व प्रदेश के अनेक कलमकारों ने काव्यपाठ किया। आरती अक्षय गोस्वामी, डॉ किरण पंचाल, डॉ कृष्णा जोशी, रागिनी शर्मा, राखी जैन, आरती

पंवार, राजेश सत्यम, अतुल दवे जी, बृजमोहन शर्मा जी, संजय बेजार जी, कान्हा सोनी जी, राहुल मिश्रा जी, यश कौशल जी, सुनील सिपाही जी, शुभम यादव जी, दुर्गेश राव जी, विमल कुमार जी, विनोद विनम्र, संचित मिश्रा, हरीश साथी, बृजमोहन शर्मा बृज, संतोष त्रिपाठी सुजान ने काव्यपाठ किया। कवि धीरेन्द्र जोशी व जितेन्द्र राज ने संचालन किया। संस्थापक दामोदर विरमाल एवं संस्था जिला समन्वयक जितेंद्र शिवहरे ने सभी साहित्यकारों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कवि जितेन्द्र शिवहरे ने आभार व्यक्त किया व संस्था के सदस्यों को निकटतम भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सामाजिक संस्थाओं ने किया डीकेयू ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय को सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। एक मंच तीन आवाज सेवा सुरक्षा लेखनी जनशक्ति सेवा सम्मान का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट कार्य कर रहे 51 पुलिसकर्मियों 30 पत्रकारों और 50 जनसेवियों को सम्मानित किया गया। जनशक्ति सम्मान प्रोग्राम की आयोजक सामाजिक संस्थामा गायत्री जन सेवा संस्थान और निशू वेलफेयर फाउंडेशन रही। जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा, पुलिस कमिश्नर लखनऊ डी के ठाकुर शामिल हुए तो वहीं विशिष्ट अतिथियों में एमएलसी व एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन कुमार सिंह चौहान, के विक्रम राव वरिष्ठ पत्रकार, सुनीता ऐन संपादक हिंदुस्तान टाइम्स पीयुष मोर्दिया संयुक्त पुलिस आयुक्त लखनऊ, ओंकार सिंह पूर्व आईजी उ. प्र. पुलिस ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों में मुकेश बहादुर सिंह– वरिष्ठ समाजसेवी व चेयरमैन इंडो अमेरिकन चौम्बर ऑफ कॉमर्स एस के सिंह अपर पुलिस उपायुक्त एसएम कासिम आब्दी अपर पुलिस उपायुक्त, प्राची सिंह अपर पुलिस उपायुक्त सन्तोष श्रीवास्तव समाजसेवी व डायरेक्टर नीलांश ग्रुप राहुल गुप्ता समाजसेवी व डायरेक्टर आनंदी मैजिक वल्ड, समीर शेख सीएमडी ड्रीम्ज ग्रुप अध्यक्ष कलाम फाउंडेशन संजय कश्यप समाजसेवी व नेता निषाद पार्टी ने प्रोग्राम की गरिमा बढ़ाई। प्रोग्राम की शुरूआत मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा व पुलिस कमिश्नर डी के ठाकुर ने दीप प्रज्जवलन से की। डॉ दिनेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस, पत्रकार और समाजसेवियों के समन्वय से समाज के तानेबाने को बहुत मजबूत किया जा सकता है और हमें इन तीनों का सम्मान करना चाहिए। पुलिस कमिश्नर डी के ठाकुर ने कहा कि कोविड में पुलिस, पत्रकार और समाजसेवियों ने जिस तरह से कार्य किया यह तीनों के समन्वय का बेजोड़ नमूना है। इसके साथ ही डीके ठाकुर ने पत्रकारों व समाजसेवियों द्वारा विभिन्न सवालों के जवाब दिए। एमएलसी पवन सिंह चौहान ने कहा कि पुलिस पत्रकार और समाजसेवी हमारे समाज के तीन मजबूत स्तंभ हैं और हमें इन तीनों स्तम्भों का सम्मान करना चाहिए। पुलिस

के अन्य आला अधिकारियों ने जनसंवाद के जरिए लोगों के प्रश्न के उत्तर दिए तथा पुलिस, पत्रकार और समाजसवियों के रोल का महत्व बताया। मुख्य व अति विशिष्ट व विशिष्ट अतिथियों द्वारा 51 पुलिसकर्मियों 30 पत्रकारों व 50 समाजसेवियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर और मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित हुए पुलिसकर्मियों, पत्रकारों और समाजसेवियों ने बताया कि अगर उनके कार्य को समाज में सम्मान मिलता है तो उन्हें अत्यंत खुशी होती है। प्रोग्राम के आयोजक अरूण प्रताप सिंह संयोजक एनजीओ प्रकोष्ठ महानगर लखनऊ भाजपा व संस्थापक मां गायत्री जनसेवा संस्थान व गुंजन वर्मा सहसंयोजक एनजीओ प्रकोष्ट व नीशू वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्षा ने बताया कि दोनों संस्थाएं एक साथ मिलकर कई सालों से गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करती आ रही हैं इसी क्रम में संस्थाए वक्त वक्त पर समाजसेवियों, पुलिसकर्मियों, महिलाओं और पत्रकारों का सम्मान भी करती रही है। ''जनशक्ति सेवा सम्मान'' पुलिस, पत्रकार व जनसेवियों के लिए समर्पित है। तीनों के समन्वय से ही हम कोविड जैसी महामारी में हजारों जिंदगियों को बचा सके हैं। जब हम समाज के इन सच्चे नायकों को उनके कार्य के लिए सम्मानित करते हैं तो इससे उन्हें अपने कार्य की हौसला अफजाई मिलती है इससे वह और अधिक ऊर्जा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करते हैं। कार्यक्रम को एसआर ग्रुप्स ऑफ इंस्टीट्यूशन, किरण फाउंडेशन, बेसिक्स एडवरटाइजिंग, कलाम फाउंडेशन, द हुनर फाउंडेशन, आधुनिक दौर पत्रिका, भारतीय जनता स्वराज सेना सामाजिक संगठन के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरके चतुर्वेदी पूर्व आईजी उत्तर प्रदेश पुलिस ने की। मंच संचालन एंकर प्रदीप कुमार शुक्ला ने किया तथा कार्यक्रम का कुशल संयोजन मुकेश मिश्रा क्षेत्रीय संयोजक दिव्यांग प्रकोष्ठ भाजपा, डॉ नितिका सिंह गौर ने किया सीमा राय, मोना वर्मा, रोली जायसवाल , रूद्र प्रताप वाजपेयी, नीलम श्रीवास्तव, मनीष पंडित व उत्तम पोरवाल, अंशुल निगम उपस्थित रहे।

एसबीआई की साहबगंज शाखा में लगी भीषण आग : सक्रियता दिखाते हुये फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) कोतवाली नगर क्षेत्र में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की साहबगंज ब्रांच में सोमवार की सुबह भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग से बैंक का फर्नीचर, कंप्यूटर व अन्य सामान जलकर राख हो गया।सूत्रों के मुताबिक संभावना जताई जा रही है कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी होगी।मालूम हो कि यह घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की साहबगंज ब्रांच का है।इस बैंक में आग लगने से अफरा तफरी मच गई।बैंक से उठते धुएं को देखकर लोगों ने तत्काल पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी।इस घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां पहुंची।बैंक शटर का ताला तोड़कर अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया।हालांकि बैंक के लॉकर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।वही इस घटना की सूचना मिलते ही अयोध्या रेंज अयोध्या के आईजी केपी सिंह ,एसएसपी शैलेश पांडे, एसपी सिटी विजय पाल सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राज किशोर राय, साहबगंज चौकी प्रभारी व चीता मोबाइल के अलावा बैंक के शाखा प्रबंधक व क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव कुमार यादव मौके पर पहुंचे।इस संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी अयोध्या राज किशोर राय व नगर कोतवाल देवेंद्र सिंह ने संयुक्त रुप से बताया कि बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया है।आग शार्ट सर्किट से लगने की संभावना है। बैंक अधिकारियों के आने के बाद आग लगने के सही कारणों और नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

अयोध्या की कचहरी को बम से उड़ाने की मिली धमकी : बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

अयोध्या जिला संवाददाता सुरेंद्र कुमार। अयोध्या कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिले पत्र के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। अयोध्या जिला जज के न्यायालय को स्पीड पोस्ट से मिले धमकी पत्र से कचहरी परिसर में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई है अयोध्या और उसके आस–पास के क्षेत्रों सहित फैजाबाद कचहरी में जगह–जगह सुरक्षा के साथ तलाशी का अभियान जारी है। इसके साथ ही पुलिस ने कोर्ट परिसर के गेट पर फोर्स तैनात कर डॉग स्क्वायड के जरिए संदिग्धों पर नजर बनाए हुए है।धमकी भरा पत्र पूराकलंदर के दौलतपुर निवासी एक राशिद के नाम का गलत दुरुपयोग कर भेजा गया. पुलिस ने इस व्यक्ति से पूछताछ की. पूछताछ में आरोपी युवक निर्दोष निकला. फिलहाल, चौकी इंचार्ज सिविल कोर्ट विनय कुमार ने अयोध्या कोतवाली नगर में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है. पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। वही अयोध्या की संवेदनशीलता को देखते हुए अयोध्या के प्रमुख मंदिरों में हनुमानगढ़ी, कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि सहित प्रमुख दर्शनीय स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।फिलहाल खुफिया एजेंसी व पुलिस अलर्ट है। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से शहरों में चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है।

विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के काबिल बनाया जाएगा –कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में सोमवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और मुंबई पेट्रासिस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के बीच सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य और पेट्रासिस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से मैनेजिंग डायरेक्टर डा. फिलिप बी० कैस्सी ने समझौता प्रपत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि इस समझौता से हमारे

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के लिए तैयार करेगा और यह कंपनी हमारे विद्यार्थियों को ट्रेंड करने के साथ–साथ बातचीत और उनका मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने कहा कि एमओयू का उद्देश्य ऑप्टिकल फाइबर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए छात्रों की वर्तमान कौशल की प्रासंगिकता, गुणवत्ता, उपयुक्तता और वितरण के मानकों को बढ़ाना है। यह संस्था विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों और उसके विभागों के साथ एक संयुक्त प्रमाणित कार्यक्रम तैयार करने और निष्पादित करने में सहयोग करेंगे। इस अवसर पर पेट्रासिस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर डा.फिलिप बी० कैस्सी ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जहां मकसद नहीं वह जीवन बेकार है अगर आपके पास विजन है तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था यहां के विद्यार्थियों को तकनीक के क्षेत्र में हर मदद कर उन्हें रोजगार के लिए आत्मनिर्भर बनाएगी। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने आशीर्वचन में कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय आदर्श विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाए और हमारे विद्यार्थी स्टार्टअप एमओयू के माध्यम से आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर विषय प्रर्वतन इंजीनियरिंग संस्थान डीन प्रो. बीबी तिवारी ने और संचालन नोडल अधिकारी डा. मनोज कुमार पांडेय किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, प्रो. देवराज सिंह, डा. सुनील कुमार, डा. धीरेंद्र चौधरी, सहायक कुलसचिव अमृतलाल पटेल, डा. बबिता सिंह, डा. प्रवीण कुमार सिंह, डा.ज्योति सिंह, शैलेंद्र प्रजापति आदि उपस्थित थे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
विश्वास वह पंक्षी है जो प्रभात के पहले ही प्रकाश देखना शुरु कर देता है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

कोविड के बाद मंकीपॉक्स : आखिर कहां से बार–बार दुनिया में प्रकोप दिखाती हैं महामारियां

आज के समय में, जब दुनिया एक–दूसरे से जुड़ी हुई है, बीमारियों के एक देश से दूसरे देशों में फैलने की पूरी आशंका रहती है। कोविड–19 महामारी इसका जीवंत और ताजा उदाहरण है। भारत में भी अब तक मंकीपॉक्स विषाणु या उसका मरीज नहीं मिला है।

सारी दुनिया में 1960 के दशक के मध्य में चेचक की बीमारी के उन्मूलन के लिए कदम उठाए जा रहे थे। तब उन्मूलन की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए चेचक मरीजों को ढूंढने की खातिर नियमित रूप से सघन जांचें चलती रहती थीं। वर्ष 1970 में, ऐसी ही एक जांच के दौरान अफ्रीका के देश जायरे (जिसे आजकल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, जहां चेचक का आखिरी मरीज 1968 में मिला था) में नौ साल के एक बच्चे में चेचक से मिलते–जुलते लक्षण और शरीर पर चकत्ते मिले।

जब सैंपल की जांच की गई, तो चेचक का विषाणु नहीं मिला। दुनिया की अन्य विषाणु प्रयोगशालाओं में बात करने के बाद पता चला कि उस बच्चे को जो बीमारी थी, वह उससे पहले मनुष्यों में कभी नहीं पाई गई थी। हां, यही विषाणु डेनमार्क की एक प्रयोगशाला में कुछ बंदरों में वर्ष 1958 में पाया गया था और तब उसको मंकीपॉक्स वायरस नाम दिया गया था। अब हम जानते हैं कि मंकीपॉक्स एक जूनोटिक अर्थात जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारी है।

वर्ष 1970 के बाद से मंकीपॉक्स बीमारी के मरीज अफ्रीका के 11 देशों में नियमित रूप से मिलते रहे हैं और इन देशों को इस बीमारी के लिए एंडेमिक (स्थानीय महामारी) माना जाता है। वर्ष 2017 से नाइजीरिया में मंकीपॉक्स बीमारी का प्रकोप चल रहा है और पिछले पांच वर्षों में अकेले नाइजीरिया में 550 मरीज मिले हैं और कुछ की मृत्यु भी हुई है। अफ्रीका के इन 11 देशों के बाहर पहली बार मंकीपॉक्स के मरीज वर्ष 2003 में अमेरिका में मिले थे।

दरअसल अफ्रीका से लाए गए कुछ जानवरों के साथ ये विषाणु अमेरिका पहुंचे और उसके बाद वहां के जानवरों से होते हुए इंसानों में इसके संक्रमण के मामले आए। तब से, कुछ अन्य देशों, जैसे कि इस्राइल और सिंगापुर में भी इसके मरीज मिले हैं। फिर, मई, 2022 में अचानक जैसे कुछ बदल गया। विगत छह मई को ब्रिटेन में एक व्यक्ति में मंकीपॉक्स की बीमारी मिली। यह व्यक्ति 20 अप्रैल को नाइजीरिया गया था और तीन मई को वहां से वापस लौट आया।

तब से जून के दूसरे सप्ताह तक, यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया महाद्वीपों के 29 देशों में मंकीपॉक्स बीमारी के करीब 1,000 मामले मिल चुके हैं। इनमें से अधिकतर देशों में यह बीमारी पहले कभी नहीं मिली थी। मंकीपॉक्स, चेचक विषाणु के परिवार का ही है। इस वायरस के दो प्रकार हैं, एक पश्चिमी अफ्रीकी रूप और दूसरा मध्य अफ्रीकी या कांगो बेसिन रूप। संक्रमण के बाद लक्षण आने में पांच से 21 दिन तक लग सकते हैं। लक्षणों में बुखार, शरीर दर्द और ग्रंथियों में सूजन आना मुख्य हैं।

जहां पर यह बीमारी फैल रही है, वहां शरीर में चकत्ते बनना और ग्रंथियों में सूजन आना मंकीपॉक्स का संदेह देते हैं। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में इस बीमारी के गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है। इस बीमारी में एक से 10 प्रतिश संक्रमित की मृत्यु हो जाती है। अभी के प्रकोप में पश्चिमी अफ्रीकी रूप फैल रहा है, जो तुलनात्मक रूप से कम खतरनाक है। जैसा कि अधिकतर विषाणुजनित बीमारियों में होता है, इसकी कोई कारगर दवा नहीं है, और लक्षणों के आधार पर ही इसका इलाज किया जाता है।

मंकीपॉक्स के लिए कोई टीका नहीं है, परंतु चेचक का टीका इस बीमारी से भी बचाव करता है। लेकिन दुनिया से चेचक उन्मूलन के बाद वर्ष 1980 से चेचक का टीका लगना बंद हो गया था। जो लोग इसके पहले पैदा हुए थे, उनकी प्रतिरक्षा कितनी हो सकती है, यह कहना मुश्किल है। वर्ष 1980 के बाद पैदा हुए लोग अर्थात जिनकी उम्र 42 साल या उससे कम है, उन्हें कभी चेचक का टीका नहीं लगा है और कोई प्रतिरक्षा नहीं है। फिलहाल, चेचक के कुछ टीके अमेरिका तथा यूरोप के कुछ देशों में भंडारित रखे हुए हैं, लेकिन अधिकतर देशों में यह टीका उपलब्ध नहीं है, जिनमें भारत भी शामिल है।

आज के समय में, जब दुनिया एक–दूसरे से जुड़ी हुई है, बीमारियों के एक देश से दूसरे देशों में फैलने की पूरी आशंका रहती है। कोविड–19 महामारी इसका जीवंत और ताजा उदाहरण है। भारत में भी अब तक मंकीपॉक्स विषाणु या उसका मरीज नहीं मिला है। अभी हो रहे प्रकोप (ऑउटब्रेक) में बीमारी के प्रसार को देखते हुए अगर आने वाले समय में भारत में भी मंकीपॉक्स का एक या अधिक मरीज आ जाए, तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। वैसे भी, पिछले कुछ वर्षों में भारत में कई नए विषाणु मिले हैं–जिनमें निपाह, जीका और वेस्ट नाइल वायरस भी शामिल हैं।

इसलिए, केंद्र और राज्य सरकारों को पूरी तैयारी रखनी चाहिए। विशेषज्ञ मानते हैं कि भले ही पिछले एक महीने में मंकीपॉक्स के मरीज कई देशों में मिले हैं, लेकिन इसके कोविड–19 की तरह वैश्विक महामारी में तब्दील होने की आशंका नहीं है। इसकी वजह यह है कि मंकीपॉक्स एक पुराना वायरस है, और इसकी रोकथाम के तरीके ज्ञात हैं। यह इतना संक्रामक भी नहीं है। यह बीमारी मुख्य रूप से जानवरों से इंसानों में फैलती है और मनुष्य से मनुष्य में इसका फैलाव कम है। इसलिए हमें अधिक चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

मंकीपॉक्स के अफ्रीका के 11 गरीब देशों में पचास वर्षों से चुनौती बने रहने के बाबजूद इसके खिलाफ कोई कारगर दवा या टीके की खोज न होना इस बात को रेखांकित करता है कि गरीब देशों की स्वास्थ्य समस्या पर वैश्विक समुदाय अधिक ध्यान नहीं देता है। यही रवैया अफ्रीका में इबोला जैसी गंभीर बीमारी के लिए भी रहा है। लेकिन आज अगर मंकीपॉक्स पर दुनिया बात कर रही है, तो इसलिए कि अब बीमारी अमीर देशों में उभर कर आई है। अब इसके लिए वैक्सीन बनाने और इलाज की खोजों पर उत्साह से काम होगा। कोरोना के बाद, मंकीपॉक्स का प्रकोप हमें याद दिलाता है कि हम दुनिया के चाहे किसी भी हिस्से में हों, हमारा स्वास्थ्य एक–दूसरे से जुड़ा हुआ है। इसलिए स्वास्थ्य समस्या चाहे किसी भी देश की हो, सारे विश्व को मिलकर उससे लड़ना और निपटना चाहिए।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

महिलाओं की सुनवाई के लिए महिला आयोग तो हैं मगर पुरुष की सुनवाई के लिए पुरुष आयोग क्यों नही –: कवयित्री डॉ.निरुपमा उपाध्याय

लक्ष्मणगढ़–(सीकर)– देश की उपासना : बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान की ओर से कवयित्री डॉ. निरुपमा उपाध्याय ने कहा कि आज एक ऐसे विषय पर चर्चा करने का मन है, जिस पर कभी भी समाज का या प्रशासन का ध्यान ही नहीं गया। जहाँ भी देखो नारी उत्पीड़न की चर्चा होती है ।महिला आयोग का गठन हुआ है। आज कोई भी महिला अपने ऊपर हुए अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा सकती है और उसकी शिकायत पर तुरत कार्यवाही भी होती है। हम सब इस व्यवस्था का सम्मान भी करते हैं और करना भी चाहिये, लेकिन जो व्यवस्था स्त्री को सुरक्षा प्रदान करती है, उसको न्याय देती है, गुनहगारों को सलाखों के पीछे ले जाती है, उस व्यवस्था का कुछ लोग दुरुपयोग भी करते हैं। आप यदि अपने चारों तरफ नजर घुमायेंगे तो 10 में से 3 लोग तो अवश्य ऐसे निकलेंगे जो निरपराध होते हुए भी सजा पा रहे हैं, कोर्ट के चक्कर लगाते–लगाते थक चुके हैं, उनके लिये जीवन एक अभिशाप बन चुका है।निराशा की इस स्थिति में कई बार तो ऐसे लोग गलत कदम उठाने को भी मजबूर हो जाते हैं, उनको कोई रास्ता ही नहीं दिखायी देता।

क्या हमेशा पुरुष ही दोषी होता है? क्या आज बेटियों की स्वेच्छा चारिता, माता–पिता का अन्धा प्रेम, बेटियों को उच्छंखल बनाने में सहायक नहीं है? क्या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है कि बेटियों को अच्छे संस्कार दिए जायें, उनको अहसास कराया जाये कि किस प्रकार दो परिवारों में संतुलन बनाये रखना आवश्यक है। एक बेटी लक्ष्मी के रुप में ससुराल में पदार्पण करती है, बहुत बड़ा उत्तर दायित्व उसे निभाना होता है। विवाह का बन्धन हमारी संस्कृति में अत्यन्त पवित्र और वन्दनीय रिश्ता है। दो अजनवी एकरूप, एकाकार होकर हम बन जाते हैं। अग्नि के सात फेरे सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन है,बसारे रिश्ते इस बन्धन के सामने फीके हैं, लेकिन क्या यह बात आजकी युवा पीढ़ी को समझाने के लिये घर में, समाज में, विद्यालय में या कानून में कोई व्यवस्था है?

संस्कार–बेटा हो या बेटी दोनों के लिए अति आवश्यक हैं।समाज की गाड़ी के स्त्री–पुरुष दो पहिये हैं। दोनों को साथ चलने के लिये बराबर कदम बढ़ाना होता है। एक भी चक्र का संतुलन बिगड़ते ही पूरा परिवार बिखर जाता है। मेरा मानना है कि समाज और न्यायपालिका–दोनों को नीर–क्षीर विवेक से हर पीड़ित का पक्ष सुनना चाहिये, सत्य को खोजना चाहिए, उचित न्याय देने का

प्रयास करना चाहिये। कितने ही परिवार हैं जो विवाह के पश्चात बहुओं के अत्याचार, उनकी उच्छृंखलता, गलत आचार–विचार से पीड़ित हैं। ऐसे परिवार न्याय के लिए–सभी साक्ष्यों के साथ दर–बदर की ठोकरें खा रहे हैं, कोई उनकी पीड़ा को सुनने वाला नहीं है, क्योंकि महिला आयोग तो है, लेकिन अभी तक कोई पुरूष आयोग का गठन नहीं किया गया, जो कि आज के समय में अति आवश्यक है और भविष्य में अत्यंत उपयोगी साबित होगा। जहाँ बेचारे पुरुषों की भी कोई सुनने वाला होगा, वह भी अपनी पीड़ा बताकर न्याय की आस लगा सकेंगे, इसके विपरीत ऐसे लोगों की उपेक्षा समाज में विकृति उत्पन्न करेगी, मानसिक तनाव में ऐसे युवा अपना जीवन बर्बाद होता देख, गलत निर्णय लेने को मजबूर हो जायेगे। हमारी व्यवस्था ही इसकी जिम्मेदार होगी। हमारी सरकार को कोई ठोस कदम उठाना होगा, कानून में परिवर्तन करना होगा, स्त्री–पुरुष सभी को उचित न्याय देना होगा। अपने आसपास ही कितने ही परिवार के युवा मैंने न्याय की आस में भटकते देखें हैं, माता–पिता के झगड़े में बर्बाद होते बच्चे देखे हैं, उनकी पीड़ा देख कर ही अहसास हुआ कि मर्द को भी दर्द होता है। प्रशासन को इस बात को समझना होगा, पुरुषों की अवहेलना सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होगी। बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने का एक छोटा सा प्रयास है। किसी पीड़ित की व्यथा को आप तक पहुंचाने का एक माध्यम है।समाज का दर्पण है साथ ही प्रशासन से सहयोग की अपील भी करता है। यह हम सबके बीच के ही ना जाने कितने पीड़ित युवा के दर्द की कहानी है जो अपने पत्नी के बुरे आचरण व शादी के बाद भी अवैध सम्बन्धो, नाजायज रिश्तों से पीड़ित है। ऐसे ना जाने कितने युवा सभी साक्ष्यों के साथ प्रशासन से गुहार लगाकर इंसाफ चाहते हैं पर बड़े दुःख की बात है कि इन युवाओं की सुनने वाला कोई नही। आशा है आप सब ऐसे युवाओं को न्याय दिलाने के लिये दिल से उनका साथ देंगे और प्रयास करेंगे कि आपकी बेटी किसी के घर की खुशियाँ बर्बाद करने का माध्यम कदापि न बनें।

'बस इतना ध्यान रखें कि किसी की स्वतंत्रता बाधित न हो' –कोतवाल बेनी माधव

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) : आपसी भाईचारा और सौहार्द के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट व कोतवाल ने की धर्म गुरुओं के साथ बैठक की। पीस कमेटी की बैठक में कहा गया कि किसी की स्वतंत्रता वहीं तक होती है जहां तक उससे किसी दूसरे की स्वतंत्रता बाधित न हो। कोतवाल बेनी माधव त्रिपाठी ने कहा कि किसी की भावना को ठेस पहुंचाने वाला कोई भी कृत्य किसी को भी नहीं करना चाहिए। सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। क्योंकि सभी धर्मों का उद्देश्य एक है लोकहित एवं लोक कल्याण। कहा कि अफवाह किसी भी समाज के लिए कैंसर जैसा है। इस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। खासकर युवाओं को जागरूक किये जाने की जरूरत है ताकि समाज में कोई ऐसा गलत संदेश न जाये जिससे की आपसी भाईचारा की भावना प्रभावित हो। कोतवाल बेनी माधव त्रिपाठी की तरफ से बुलायी गयी मिटिंग में न्यायिक मजिस्ट्रेट सवायजपुर ने उपस्थित सभी धर्मों के धर्म गुरुओं से आपसी भाई–चारा एवं प्रेम सौहार्द को बनाये रखने के सम्बंध में उनके सुझाव भी मांगे गये। धर्म गुरुओं ने इस पर खुलकर अपनी बात भी रखी। सभी ने शहर में अमन–चैन कायम रखने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। सभी ने कहा कि गंगा–जमुनी तहजीब हमेशा से कायम रही है और आगे भी कायम रहेगी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार अतुल कपूर ने सभी धर्मगुरूओं से आपसी भाईचारा एवं प्रेम सौहार्द बनाये रखने हेतु अपील कीध

। कहा कि अफवाहों से हमेशा सावधान रहने की जरूरत है। छोटी–छोटी बातों को इग्नोर करके पूरा ध्यान आपसी सौहार्द पर होना चाहिए। कहा कि धर्म गुरुओं की तरफ से जो संदेश दिया जाता है, उसका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। शेरो – शायरी के माध्यम से आपसी भाईचारा कायम रखने के साथ बैठक में समा बांध दिया। पीस कमेटी की बैठक को पत्रकार प्रियंक दीक्षित राकेश गुप्ता आदि लोगों ने संबोधित किया। बैठक में गुड्डू राठौर ,विमलेश तिवारी, झुन्नी सिंह, दिलीप मिश्रा, एसआई मोहम्मद अजीम, एसआई नरेंद्र सैनी, हेड मुहर्रिर राजेंद्र सैनी, राजेश कुमार ,रोहित कुमार, अभिषेक त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान मौत

अयोध्या।(डाक्टर आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)दो दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।मवई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।मिली जानकारी के मुताबिक मवई थाना क्षेत्र अंतर्गत मवई चौराहा पर प्राइवेट बस ने आशा देवी पत्नी राम लौटन(55 वर्ष)निवासी कामापुर थाना मवई को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।मौके पर पहुँची पुलिस ने घायल महिला को इलाज हेतु सीएचसी मवई भेजवाया जंहा चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया।जिसके बाद परिजनों ने घायल महिला को लखनऊ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जंहा शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मवई पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।इस संबंध में मवई थानाध्यक्ष नीरज सिंह ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।दुर्घटना करने वाले वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

शिकायतों का त्वरित हो निस्तारण : तहसीलदार लहरपुर

अजय सिंह ब्यूरो चीफ सीतापुर : लहरपुर सीतापुर तहसील लहरपुर में कार्यरत तहसीलदार शशि बिंदु द्विवेदी के द्वारा जब से लहरपुर की कमान संभाली गई है तभी श्री द्विवेदी ने तहसील प्रशासन के समस्त कार्यरत स्टाफ को बताया कि गरीबों पीड़ितों को न्याय दिलाना उनकी अपनी प्राथमिकता है सभी लोग निष्पक्ष तरीके से कार्य करें अन्यथा हीला हवाली टालमटोल किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी टालमटोल करने वाले के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी निष्पक्ष तरीके से बगैर किसी दबाव के कार्य करने वाले अधिकारियों में तहसीलदार लहरपुर का नाम सबसे ऊपर आता है जनपद में उनकी चर्चाएं होती हैं लोग उनके कार्य की मिसाल देते हैं की त्रिवेदी के पास जब कोई पीड़ित जाता है तो वे अपने सारे काम छोड़ कर पहले जनता की समस्याओं को देखते हैं और उनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करवाते हैं उन्होंने समस्त तहसील प्रशासन के लोगों को निर्देशित किया है कि किसी पीड़ित के प्रार्थना पत्र को लंबित न रखा जाए प्राथमिकता के आधार पर

पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए सरकार के मंशा के अनुरूप कार्य किए जाएं ऐसा न करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और भू माफियाओं अवैध खनन माफिया एवं अवैध रूप से कार्य करने वाले लोगों के ऊपर तहसीलदार शशि बिंदु द्विवेदी का शिकंजा कसता जा रहा है जिससे आपराधिक लोगों में काफी डर बन गया है।

शासनादेश पालन न कर क्या मुख्यमंत्री उप्र को चुनौती दे रहे प्रांतीय खंड अधिशासी अभियंता मलखान सिंह : उठा सवाल!

अजय सिंह ब्यूरो चीफ सीतापुर : सरकार जहां शासनादेश जारी कर अधिकारियों के लिए नई दिशा निर्देश बनाती है ताकि विभागों की साफ–सुथरी छवि रहे,लेकिन अधिकारियों के द्वारा उसका पालन न करके यह जता दिया जाता है कि अधिकारी अभी पुरानी शैली पर ही कार्य कर रहे हैं। इन दिनों प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मलखान सिंह काफी सुर्खियों में नजर आ रहे हैं। जिसमें स्थानांतरण नीति पर जारी शासनादेश एक प्रमुख मुद्दा बन चुका है जो सरकार द्वारा 13 मई 2022 को जारी किया गया लेकिन अभी तक इस शासनादेश का पालन प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग में कैसे हो रहा है यह बड़ी बात निकल कर आ रही है कहने का मतलब साफ है कि इस आदेश का पालन जिस क्रम में होना चाहिए था उस क्रम में नहीं हो रहा है जो सवालिया निशान खड़ा करता है अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड मलखान सिंह पर, आखिर शासनादेश की अनदेखी कर क्यों मौन बैठे हैं, प्रांतीय खंड के बड़े साहब? क्या इनके लिए शासनादेश कोई मायने नहीं रखता है?शासनादेश महज दिखावा कागदी टुकड़े के अतिरिक्त और कुछ नहीं? इन सवालों के भंवर में प्रांतीय खंड(लोनिवि)के अधिशासी अभियंता मलखान सिंह फंसते दिख रहे हैं। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश शासन से मुख्य सचिव दुर्गा प्रसाद के द्वारा जारी शासनादेश जिसमें समूह (ग) के कर्मचारियों को 3 वर्ष की अवधि पूरी होने के उपरांत निर्धारित पटल व क्षेत्र(फील्ड) से स्थानांतरित करने का आदेश है,परंतु यह आदेश अभी तक प्रांतीय खंड(लोनिवि) के अधिशासी अभियंता मलखान सिंह को शायद क्या प्राप्त नहीं हुआ, फिलहाल ऐसा तो हो नहीं सकता क्योंकि यह आदेश समूह (ग) की विभिन्न विभागों में तैनात कर्मचारियों के लिए है।परंतु इस शासनादेश

का पालन प्रांतीय खंड(लोनिवि)के अधिशासी अभियंता मलखान सिंह,क्या करना ही नहीं चाहते? बताते चलें कि समूह(ग)के तहत आने वाले अवर अभियंता व बाबू पटल है जो 3 वर्ष से अधिक का समय बिता चुके हैं परंतु अपने स्थान से परिवर्तित नहीं हुए, इस तरीके शासन आदेश का पालन प्रांतीय खंड में किया जा रहा है अधिशासी अभियंता मलखान सिंह के द्वारा जो कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनौती देना कहा जा सकता है। बताते चलें कि समूह(ग) की श्रेणी में आने वाले अवर अभियंता डीएन सिंह,धनीराम भार्गव,राजेश पाल,श्रवन कुमार निर्धारित समयसीमा से ऊपर का समय अपने निर्धारित क्षेत्र(फील्ड) कार्य कर चुके हैं हालांकि कई और कर्मचारी भी इस की श्रेणी में आ सकते हैं। लेकिन जब शासनादेश का पालन प्रांतीय खंड (लोनिवि) में सही तरह से हो ही नहीं रहा। तो कहना कठिन है की अन्य कर्मचारी भी काफी समय से अपने कार्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे हो सकते हैं।देखना यह है कि शासनादेश का पालन न करके प्रदेश नेतृत्व को कब तक यूं ही चुनौती देते रहेंगे अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग मलखान सिंह, क्योंकि शासन ने अगर संज्ञान लिया तो जांच कहां तक जा सकती है इसका अंदाजा लगाना जरा मुश्किल है लेकिन यह कहना सटीक होगा की अधिशासी अभियंता मलखान सिंह समेत प्रांतीय खंड पर गाज गिर सकती है।

जल शक्ति मंत्री स्वतन्त्र देव सिंह ने बाढ़ नियंत्रण कार्यो का किया स्थलीय निरीक्षण

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आज जल शक्ति मंत्री स्वतन्त्र देव सिंह द्वारा जनपद हरदोई की बाढ़ कार्यो के स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होने सर्व प्रथम मंत्री जी ने ग्राम कटरी परसौला का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिशासी अभियन्ता अखिलेश कुमार गौतम द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना के अन्तर्गत 1752 मीटर लम्बाई में पॉच अदद जिओ बैग स्पर एवं 18 अदद परक्यूपाइन स्पर के निर्माण का कार्य प्रस्तावित किया गया है। कार्य स्थल की आवश्यकता के अनुसार 16 अदद परक्यूपाइन स्पर एवं 05 अदद जिओं बैग स्पर का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रस्तावित लम्बाई 1752 मीटर में जिओं बैग गैबियन में लगाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नदी के किनारों को कटान से सुरक्षित रखने हेतु चापा ग्रास लगाने का कार्य प्रगति पर है। मानसून आने के साथ ग्रास लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। मा0 मंत्री स्वतन्त्र देव सिंह ने परक्यूपाइन में नदी का जल स्तर बढने के पूर्व जंगल भरने का कार्य एवं घास लगाने के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अभियन्ता अखिलेश गौतम को दिये। उन्होने कहा कि उ0प्र0 सरकार बाढ़ नियंत्रण के सम्बन्ध में पूरी सतर्कता बरत रही है। ग्रामीणों ने मा0 मंत्री को गंगा नदी से विगत वर्षो में हुए कटान को रोकने के सफल प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम छितरामऊ में निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना के अन्तर्गत ग्राम छितरामऊ में 382 मीटर की लम्बाई में कटान निरोधक कार्य के रूप में 09 अदद परक्यूपाइन स्पर कार्य प्रस्तावित किया गया था। स्पर निर्माण के कार्य पूर्ण कर लिये गये है। नदी कें किनारों को कटान से सुरक्षित रखने हेतु चापा ग्रास लगाने का कार्य प्रगति पर हैं। मानसून आने के साथ

ग्रास लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। ग्रामीणों ने मंत्री जी को गर्रा नदी से विगत वर्षो में ग्राम मानीमऊ, बम्हटापुर, जनियामऊ, टडौरा, छितरामऊ, कहारटोला, बाबरपुर, मिरकापुर, मोहद्दीनपुर एवं नोनखरा दक्षिणी में हो रहे कटान को रोकने के सफल प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद हरदोई जय प्रकाश एवं विधायक सवायजपुर द्वारा जनपद में गर्रा, राम गंगा, गंगा, नीलम एवं गम्भीरी नदी से तहसील सवायजपुर एवं बिलग्राम में होने वाली बाढ़ समस्याओं के सम्बन्ध में मंत्री जी को अवगत कराया एवं नदी से कटाव की समस्याओं के समाधान हेतु कराये गये कार्यो की सफलता के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने अवगत कराया कि गत वर्ष गंगा नदी में हो रहे कटाव की रोकथाम हेतु कराये गये ड्रेजिंग कार्य एवं अन्य कटाव निरोधक कार्य की सफलता के साथ साथ इस वर्ष कराये जा रहे कटाव निरोधक कार्य की जानकारी मंत्री जी को दी गयी। इस दौरान सांसद जय प्रकाश, जिलाध्यक्ष सौरभ कुमार मिश्र, विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह एवं जिलाधिकारी अविनाश कुमार, उप जिलाधिकारी बिलग्राम राहुल कश्यप विश्वकर्मा, उप जिलाधिकारी सवायजपुर राकेश कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर के जघन्य अपराध में जनपदीय पुलिस की प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी से आरोपीगण को दोषसिद्ध कर परिवीक्षा पर छोड़ा गया

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : दिनांक 27.11.1997 को समय करीब 09.00 बजे दिन को घटित अपराध के सम्बन्ध में वादी श्यामलाल पुत्र नोहर पटेल निवासी वटनहित, थाना मछलीशहर, जनपद जौनपुर की लिखित तहरीर पर थाना मछलीशहर पर मु0अ0सं0 437/1997 धारा 307,323,324,325,326,504,506 भा0द0वि0 पंजीकृत हुआ। अभियोग की विवेचना तत्परता से गुणवत्ता कायम रखते हुए पूर्ण की गयी तथा आरोपी के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया गया। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा माननीय न्यायालय में विचाराधीन प्राचीनतम वादों को निस्तारित कराने एवं अभियुक्तों को अधिकाधिक दण्डित कराने हेतु उपर्युक्त अभियोग को जनपदीय पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय के कुशल नेतृत्व में जनपदीय पुलिस द्वारा सम्यक पैरवी एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरुप दिनांक 13.06.22 को अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ जौनपुर द्वारा दोषसिद्ध अभियुक्तगण 1– रामचन्द्र पुत्र जगन्नाथ पटेल व 2– प्रताप बहादुर पुत्र रामचन्दर निवासीगण वटनहित थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को तुरन्त दण्डित न करते हुए छः माह के परिवीक्षा पर रखा जाता है। इस दौरान वे शान्ति व्यवस्था बनाये रखेंगे, सदाचारपूर्वक रहेंगे और कोई अपराध कारित नहीं करेंगे। अभियुक्तगण उपरोक्त के सम्बन्ध में मु0 20,000 रूपये(बीस हजार रूपये) का व्यक्तिगत बन्धपत्र व उतने ही धनराशि के दो–दो प्रतिभू व बन्ध पत्र जिला प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष निर्णय के 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत करें। परिवीक्षा के शर्तो के उल्लंघन पर उन्हे मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित होकर विधिनुसार दण्डादेश प्राप्त करना होगा। धारा 5 अपराधी परिवीक्षा अधिनियम 1958 के तहत प्रत्येक अभियुक्तगण द्वारा रूपये 1,000–(एक हजार) रूपए चोटहिल लक्ष्मीकान्त तथा रूपए 1,000–(एक हजार) चोटहिल श्रीकान्त को प्रतिकर के रूप में देय होगा जिसे उपरोक्त उल्लिखित अवधि के अन्दर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर में जमा किया जाय जिसका भुगतान लक्ष्मीकान्त व श्रीकान्त के आवेदन पर किया जायेगा। निर्णय के विरूद्ध अपील प्रस्तुत किये जाने की स्थिति में अभियुक्तगण धारा 437 क दं0प्र0सं0 के तहत छःमाह तक पूर्व निष्पादित जमानत बन्ध पत्र पर रहेंगे।

इग्नू एम बी ए में प्रवेश प्रारम्भ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर प्रबंध शास्त्र (एम बी ए) में जुलाई 2022 सत्र हेतु दूरस्थ एवं ऑनलाइन विधा में प्रवेश की अधिसूचना जारी कर दी गयी है। प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी इग्नू वेबसाइट पहदवन.ब.पद पर दिए गए लिंक पर क्लिक कर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यूजीसी की अधिसूचना के अनुसार कोई भी अभ्यर्थी अब दो पाठ्यक्रम में एक साथ नामांकन करा सकता है। ऐसे लोग जो रोजगार में हैं या किसी कारण से नियमित अध्ययन कर पाने में असमर्थ हैं,उनके लिए इग्नू उच्च शिक्षा में अध्ययन का एक अवसर प्रदान करता है। इग्नू के प्रसिद्ध रोजगारपरक कार्यक्रम मास्टर इन बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन एवं मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन को इग्नू द्वारा वर्तमान परिप्रेक्ष्य की चुनौतियों को दृष्टिगत करते हुए संशोधित कर दिया गया है और कार्यक्रमों को ।प्ब्ज् से भी अनुमोदन उपरांत ही विद्यार्थियों के लिए खोला गया है। पूर्वांचल अध्ययन केंद्र पर एम बी ए पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिससे सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क कर सकते है। एम बी ए में प्रवेश के लिए होने वाले प्रवेश परीक्षा को भी समाप्त कर दिया गया है। अब कोई भी जिसने 50 प्रतिशत के साथ स्नातक परीक्षा पास की हो सीधे प्रवेश ले सकते हैं। शिक्षार्थियों को विश्व स्तरीय अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। दूरस्थ विधा में प्रवेश पर विद्यार्थी को असाइनमेंट, प्रोजेक्ट एवं सत्रांत परीक्षा ऑफलाइन जबकि ऑनलाइन विधा में प्रवेश पर समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन ही संपन्न कराई जाती है।

महिला बाल कल्याण मंत्री प्रतिभा शुक्ला को अनारक्षित समाज पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री ने दिया ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। अनारक्षित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा है कि विनम्रता के साथ निवेदन करना चाहते हैं कि देश की आजादी के लगभग 75 वर्ष बीत चुके हैं और प्रदेश व केन्द्र सरकार के नेतृत्व में बड़ी धूमधाम से अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है किन्तु लगभग आधी से अधिक जनता के साथ विभिन्न क्षेत्रों में जातीय व धार्मिक आधार पर भेदभाव व अन्याय निरन्तर जारी है। सर्व विदित है कि आपकी सरकार सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास रूपी ध्येय वाक्य के आधार पर सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार का दावा करती है तथा सम्पूर्ण जनता के लिये समान नागरिकता कानून की पक्षधर है किन्तु पुर्ववर्ती सरकारों की भांति वोट बैंक बनाने के लिये शिक्षा, रोजगार एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में जातीय व धार्मिक आधार पर भेदभाव को बढ़ावा देकर आरक्षित वर्ग के तुष्टीकरण में लगी हुयी है जिससे अनारक्षित समाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और उसके अन्दर विशेषतः नौजवानों में अत्यन्त रोष व्याप्त है। अतः हम निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहते हैं: 1. धार्मिक स्थलों व मंदिरों पर सरकारी नियंत्रणः – सनातन धर्म के अधिकांश धार्मिक स्थल, मन्दिरों व ट्रस्टों पर सरकारी नियन्त्रण बना हुआ है जबकि अन्य धर्मों के धार्मिक स्थलों पर किसी प्रकार का कोई सरकारी नियन्त्रण नहीं है। यह देश के बहुसंख्यक सनातन धर्म अनुयायियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। 2. सवर्ण आयोग का गठनः– विभिन्न क्षेत्रों व वर्गों के लिए अनेक आयोगों का गठन किया गया जा चुका है किन्तु आपके द्वारा पूर्व में घोषणा किये जाने के उपरान्त भी आज तक सवर्ण आयोग का गठन नहीं किया गया जो कि सर्वथा अनुचित व अन्यायपूर्ण है।जातीय आरक्षणः– शिक्षा, नौकरी व सरकारी योजनाओं में वोट बैंक के राजनैतिक स्वार्थ पूर्ति के लिये न केवल निरन्तर जातीय आधार पर आरक्षण जारी है वरन् अनेक जातियों को अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग में शामिल कराने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है जो कि अनारक्षित वर्ग की आधी से अधिक आबादी के साथ घोर अन्याय व अत्याचार है। 4. दलित एक्ट का दुरुपयोगः– आपको स्मरण होगा कि इस कानून के दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिये वर्ष 2007 की तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी की सरकार ने इस कानून में संशोधन कर प्रदेश में इसके अन्तर्गत गिरफ्तारी से पूर्व जांच किये जाने का प्रावधान लागू कर दिया था । तत्पश्चात् माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में गिरफ्तारी से पूर्व जांच किये जाने का निर्णय दिया था किन्तु आपकी पार्टी की केन्द्र सरकार ने वोट बैंक की खातिर संसद में उक्त आदेश को पलट दिया जिसके कारण देश की लगभग 75 प्रतिशत आवादी इस कानून के दुरुपयोग के माध्यम से उत्पीड़न व शोषण का दंश झेलने को विवश है। विभिन्न उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कई बार इस कानून के दुरुपयोग के सम्बन्ध में स्पष्ट रूप से टिप्पढ़ियां की जा चुकीं है कि लगभग 80 प्रतिशत से अधिक मामले झूठे व फर्जी पाये गये हैं। 5. परशुराम जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाशः– आपकी सरकार द्वारा अकारण ही भगवान परशुराम जी की जयन्ती पर होने वाले सार्वजनिक अवकाश को निरस्त कर दिया गया जबकि विभिन्न जाति धर्मों के महापुरूषों के जन्म व निर्वाण दिवस पर अवकाश की पूरी श्रृंखला जारी है। आपके इस निर्णय से

भगवान परशुराम जी के अनुयायियों की भावनायें अत्यन्त आहत हुयी हैं। उपरोक्त् महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में हमारी मांगे निम्नलिखित हैः 1. सनातन धर्म के सभी धार्मिक स्थलों को सरकारी नियन्त्रण से पूर्णतः मुक्त कराया जाये । 2. पूर्णतः सशक्त सवर्ण आयोग का तत्काल गठन किया जाये।जातीय आरक्षणः– शिक्षा, नौकरी व सरकारी योजनाओं में वोट बैंक के राजनैतिक स्वार्थ पूर्ति के लिये न केवल निरन्तर जातीय आधार पर आरक्षण जारी है वरन् अनेक जातियों को अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग में शामिल कराने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है जो कि अनारक्षित वर्ग की आधी से अधिक आबादी के साथ घोर अन्याय व अत्याचार है। 4. दलित एक्ट का दुरुपयोगः– आपको स्मरण होगा कि इस कानून के दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिये वर्ष 2007 की तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी की सरकार ने इस कानून में संशोधन कर प्रदेश में इसके अन्तर्गत गिरफ्तारी से पूर्व जांच किये जाने का प्रावधान लागू कर दिया था । तत्पश्चात् माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में गिरफ्तारी से पूर्व जांच किये जाने का निर्णय दिया था किन्तु आपकी पार्टी की केन्द्र सरकार ने वोट बैंक की खातिर संसद में उक्त आदेश को पलट दिया जिसके कारण देश की लगभग 75 प्रतिशत आवादी इस कानून के दुरुपयोग के माध्यम से उत्पीड़न व शोषण का दंश झेलने को विवश है। विभिन्न उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कई बार इस कानून के दुरुपयोग के सम्बन्ध में स्पष्ट रूप से टिप्पढ़ियां की जा चुकीं है कि लगभग 80 प्रतिशत से अधिक मामले झूठे व फर्जी पाये गये हैं। 5. परशुराम जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाशः– आपकी सरकार द्वारा अकारण ही भगवान परशुराम जी की जयन्ती पर होने वाले सार्वजनिक अवकाश को निरस्त कर दिया गया जबकि विभिन्न जाति धर्मों के महापुरूषों के जन्म व निर्वाण दिवस पर अवकाश की पूरी श्रृंखला जारी है। आपके इस निर्णय से भगवान परशुराम जी के अनुयायियों की भावनायें अत्यन्त आहत हुयी हैं। उपरोक्त् महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में हमारी मांगे निम्नलिखित हैः 1. सनातन धर्म के सभी धार्मिक स्थलों को सरकारी नियन्त्रण से पूर्णतः मुक्त कराया जाये । 2. पूर्णतः सशक्त सवर्ण आयोग का तत्काल गठन किया जाये।विभिन्न क्षेत्रों में जातीय आधार पर आरक्षण को समाप्त कर बिना किसी भेदभाव के सभी जाति, धर्म, वर्ग एवं सम्प्रदाय के गरीबों व जरूरतमन्दों को प्रदान किया जाये। 4. दलित एक्ट के अन्तर्गत संशोधन कर बिना जांच गिरफ्तारी पर पूर्व की भांति रोक लगायी जाये । 5. भगवान परशुराम जी की जयन्ती के उपलब्ध में सार्वजनिक अवकाश की तत्काल घोषणा की जाये । मान्यवर आप प्रदेश के मुखिया होने के साथ–साथ सनातन धर्म की अत्यन्त महत्वपूर्ण पीठ के पीठाधीश्वर भी हैं अतः हमें आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि आप सभी प्रकार के मानवीय विकारों जैसे कांम, क्रोध, लोभ, मोह, भय, राग, द्वेष आदि के वशीभूत नहीं हैं और बिना किसी भेदभव के निर्भीक होकर स्वयं कोई भी निर्णय लेने में पूर्णतः सक्षम हैं इसलिये हमें पूर्ण विश्वास है कि जनहित को दृष्टिगत रखते हुये आप हमारी उपरोक्त् मांगों पर गम्भीरतापूर्वक विचारोपरान्त् अतिशीघ्र उचित निर्णय लेते हुये प्रभावी कार्यवाही कराने का कष्ट करेंगे। हम सदैव आपके ऋणी रहेंगे।

जनपदीय पुलिस की प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी से आरोपीगण को दोषसिद्ध कर परिवीक्षा पर छोड़ा गया

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : दिनांक 27.11.1997 को समय करीब 09.00 बजे दिन को घटित अपराध के सम्बन्ध में वादी मुकदमा प्रताप बहादुर पुत्र रामचन्दर निवासी वटनहित थाना मछलीशहर जौनपुर की लिखित तहरीर पर थाना मछलीशहर में मु0अ0सं0 437ए/1997 धारा 323,504 भा0द0वि0 पंजीकृत हुआ। अभियोग की विवेचना तत्परता से गुणवत्ता कायम रखते हुए पूर्ण की गयी तथा आरोपी के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया गया। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा माननीय न्यायालय में विचाराधीन प्राचीनतम वादों को निस्तारित कराने एवं अभियुक्तों को अधिकाधिक दण्डित कराने हेतु उपर्युक्त अभियोग को जनपदीय पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय के कुशल नेतृत्व में जनपदीय पुलिस द्वारा सम्यक पैरवी एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरुप दिनांक 13.06.22 को माननीय न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ जौनपुर द्वारा दोषसिद्ध अभियुक्तगण 1– लक्ष्मीकान्त पुत्र श्यामलाल व 2– श्रीकान्त पुत्र श्यामलाल निवासीगण वटनहित थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को तुरन्त दण्डित न करते हुए छः माह के परिवीक्षा पर रखा जाता है। इस दौरान वे शान्ति व्यवस्था बनाये रखेंगे, सदाचारपूर्वक रहेंगे और कोई अपराध कारित नहीं करेंगे। अभियुक्तगण उपरोक्त के सम्बन्ध में मु0 20,000 रूपये(बीस हजार रूपये) का व्यक्तिगत बन्धपत्र व उतने ही धनराशि के दो–दो प्रतिभू व बन्ध पत्र जिला प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष निर्णय के 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत करें। परिवीक्षा के शर्तो के उल्लंघन पर उन्हे मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित होकर विधिनुसार दण्डादेश प्राप्त करना होगा। धारा 5 अपराधी परिवीक्षा अधिनियम 1958 के तहत प्रत्येक अभियुक्तगण द्वारा रूपये 1,000 (एक हजार) रूपए वादी मुकदमा प्रताप बहादुर तथा रूपए 1,000–(एक हजार) चोटहिल रामचन्दर को प्रतिकर के रूप में देय होगा जिसे उपरोक्त उल्लिखित अवधि के अन्दर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर में जमा किया जाय जिसका भुगतान प्रताप बहादुर व रामचन्दर के आवेदन पर किया जायेगा। निर्णय के विरूद्ध अपील प्रस्तुत किये जाने की स्थिति में अभियुक्तगण धारा 437 क दं0प्र0सं0 के तहत छःमाह तक पूर्व निष्पादित जमानत बन्ध पत्र पर रहेंगे।

शौचालय विहीन पात्र लाभार्थी करें डिजीटाईज्ड आनलाइन आवेदन

जौनपुर सू.वि. : जिला पंचायत राज अधिकारी ने अवगत कराया है कि मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के पत्र द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 अन्तर्गत व्यक्तिगत शौचालय के शौचालय विहीन पात्र लाभार्थियों द्वारा शौचालय की मांग हेतु भारत सरकार की वेबसाइट पर डिजीटाईज्ड आनलाइन आवेदन प्रक्रिया की व्यवस्था की गयी है, जिसके माध्यम से शौचालय विहीन पात्र लाभार्थियों को शौचालय उपलब्ध कराने हेतु आनलाइन आवेदन प्राप्त किये जा सकते है। आनलाइन आवेदन हेतु निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी जायेगी :– आनलाइन आवेदन हेतु सम्बन्धित सिटीजन द्वारा एसबीएम (जी) पोर्टल या वेब लिंक https%//sbm-gov-in/sbmphase2/homenew-aspx पर Appliction Form For IHHL पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। शौचालय विहीन पात्र लाभार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन उनके मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटाप, साइबर कैफे, कामन सर्विस सेन्टर इत्यादि के माध्यम से किया जा सकता है। सम्बन्धित सिटीजन आवेदक द्वारा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के उपरान्त लागिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त हो जायेगा। उपरोक्त लागिन आईडी एवं पासवर्ड का उपयोग कर सम्बन्धित सिटीजन आवेदक द्वारा व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन धनराशि की सहायता हेतु आवेदन जमा किया जा सकता है। सम्बन्धित आवेदक द्वारा आनलाइन किये गये आवेदन की स्कूटनी की जा सकती है साथ ही आनलाइन के माध्यम से प्राप्त आवेदन का सम्बन्धित जनपद/विकास खण्ड के सक्षम अधिकारियों द्वारा सत्यापन उपरान्त स्वीकृत/अस्वीकृत किया जा सकता है। इसके साथ–साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) कार्यक्रम के पूर्व (सीआरएसपी/टीएससी/एनबीए अन्तर्गत) निर्मित कराये गये व्यक्तिगत शौचलयों का आवश्यकतानुसार रेट्रोफिटिंग हेतु पंचायतीराज विभाग की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गयी है। शासन के उच्च स्तर से लिये गये निर्णय के क्रम में पंचायतीराज http%//panchayatiraj.up.nic.in ij '' महत्वपूर्ण लिंक ग्राम प्रधान द्वारा पंचायत भवन/अन्त्येष्टि स्थल एवं व्यक्तिगत शौचालय की मांग हेतु आवेदन '' अन्तर्गत आवेदन का प्रकार–रेट्रोफिटिंग आप्सन में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के सामान्यजन जिनका व्यक्तिगत शौचालय विभागीय योजनान्तर्गत प्रोत्साहन की धनराशि से निर्मित कराये गये है तथा निर्मित कराये गये शौचालयों में अवश्यकतानुसार रेट्रोफिटिंग (सप्टिक टेंक होने की दशा में आउटलेट पर सोख्ता गड्ढा का निर्माण, एक गड्ढे वाले व्यक्तिगत शौचालय से 02 गड्ढे वाले शौचालय में परिवर्तन, जंक्शन चेम्बर निर्माण, सुपर स्ट्रक्चर कार्य, पैन ट्रैप, पानी टंकी व दरवाजा इत्यादि) का कार्य किया जाना है, हेतु आनलाइन आवेदन प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है।

यूपी की हर ग्राम पंचायत में बरात घर और अंत्येष्टि स्थल बनाने का मसौदा तैयार –उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश की सभी 58,189 ग्राम पंचायतों में बरात घर व अंत्येष्टि स्थल बनाए जाने का मसौदा तैयार किया गया है। इसका प्रस्ताव बनाकर वित्त विभाग को भी भेज दिया गया है। प्रत्येक बरात घर की लागत 30 लाख व अंत्येष्टि स्थल की 24.36 लाख रुपये आंकी गई है। इस तरह सभी ग्राम पंचायतों में बरात घर बनाने में 17456.70 करोड़ और अंत्येष्टि स्थल बनाने में 14174.84 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि बरात घर और अंत्येष्टि स्थल तक सुगमता से पहुंचने के लिए मार्ग बनाए जाने की भी व्यवस्था की जाएगी। वहां पर सामुदायिक शौचालय, पथ प्रकाश की व्यवस्था जैसी अवस्थापना सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आम जनता व जनप्रतिनिधियों द्वारा इस दिशा में मांग

की जाती रही है। इसी क्रम में यह प्रस्ताव तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राइमरी स्कूलों में भी बरात ठहराने पर रोक है। ऐसे में गांवों में बरात घरों का निर्माण जरूरी है।

संत कबीर के 624वें प्राकट्योत्सव पर काशी में कबीरपंथियों का डेरा

वाराणसी ब्यूरो : कबीर प्राकट्य धाम लहरतारा स्थित स्मारक विकास समिति के प्रांगण में कबीरपंथियों का जमावड़ा शुरू हो गया है। संत कबीर के 624वें त्रिदिवसीय प्राकट्योत्सव पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। महोत्सव का आरंभ कबीरपंथाचार्य अर्द्धनामसाहेब ने संत कबीर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया। रविवार को राजस्थान गुजरात हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार से आए श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया। इस मौके पर कबीर वाणी और साखी के पदों का गायन किया गया। महोत्सव में आए श्रद्धालुओं

ने भजन, सत्संग सुना और कबीर के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। प्रबंधक संतोष दास ने बताया कि कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया है। पहला सत्र 9 से 12 और दूसरा शाम 7 से 10 बजे तक आयोजित है। इसमें कबीर वाणी पर चर्चा और प्रवचन शामिल है। 14 जून ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर सुबह 9 बजे से 11 बजे तक शोभायात्रा निकाली जाएगी। रात आठ बजे से आनंद चौका आरती अर्धनाम करेंगे। संत कबीर प्राकट्य स्थली के मुख्य द्वारा के दोनों ओर सजावटी सामान से लेकर खिलौने और महिलाओं के शृंगार के सामान की दुकानें सज गई हैं। स्वर्वेद महामंदिर धामः कबीर प्राकट्योत्सव में उमड़े अनुयायी वाराणसी के उमरहां स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित होने वाले 13 एवं 14 जून को सद्गुरु कबीर प्राकट्य महोत्सव में शामिल होने के लिए कई प्रदेशों से अनुयायियों का हुजूम पहुंचा है। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर कबीर साहब की अन्यतम कृति बीजक तथा स्वर्वेद महाग्रंथ का संगीतमय पाठ किया गया। फिर विहंगम योग साधना का अभ्यास कराया गया। सोमवार सुबह 5:30 बजे से शारीरिक आरोग्यता के निमित्त आसन प्राणायाम एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि भंडारे के लिए भोजनालय और कैंटीन की भी व्यवस्था की गई है।

यूपी कांग्रेस कार्यालय के बाहर धारा 144 का नोटिस चस्पा : आराधना मिश्रा सहित कई नेता हाउस अरेस्ट

लखनऊ ब्यूरो : कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेशी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता देश भर में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे लिए लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर धारा 144 का नोटिस चस्पा किया गया। किसी भी तरह का प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी गई है। वहीं, प्रदर्शन कई नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है। लखनऊ में धारा 144 लागू होने की वजह से प्रदर्शन करने की तैयारी में लगे कांग्रेस की विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्र मोना और वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और पूर्व एमएलसी हुस्ना सिद्दीकी को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। उधर, अजय कुमार लल्लू समेत तमाम कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यूपी कांग्रेस के प्रिंट मीडिया इंचार्ज अशोक सिंह कहा कि लोकतंत्र में दमनकारी नीति अपनाकर भाजपा आम जनता की आवाज दबाना चाहती है। आज के प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस के बड़े नेताओं को हाउस अरेस्ट करने पर यूपी कांग्रेस के तमाम नेताओं ने आक्रोश जताया। प्रदेश महामंत्री शरद मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता आखिरी दम तक संघर्ष करेंगे। राहुल गांधी को ईडी का सम्मन दिए जाने के विरोध में कांग्रेस सत्याग्रह कर रही है।

काशी विश्वनाथ धाम जाने की राह में जल रहे पांव : न पानी का इंतजाम न सर पे छांव

वाराणसी ब्यूरो : श्री काशी विश्वनाथ धाम की व्यवस्थाओं पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं लेकिन तस्वीरें कुछ और बयां कर रही हैं। गर्मी का आलम यह है कि गेट पर पांव रखते ही भक्त उछल जा रहे हैं। मंदिर प्रशासन का दावा है कि उसने भक्तों के लिए कैनोपी लगाई है लेकिन वहां तक पहुंचने में भक्तों के पांव में छाले पड़ जा रहे हैं और चेहरा सुर्ख हो जा रहा है। धाम के गेट वे ऑफ कॉरिडोर की राह भक्तों के लिए बेहद कठिन है। दशाश्वमेध घाट से ललिता घाट तक न तो कहीं पानी का इंतजाम है न ही छांव का। नंगे पांव तपते हुए पत्थरों पर उछलते–कूदते–दौड़ते हुए भक्त बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। धाम के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों से पांच सौ मीटर दूरी तय करने के बाद ही श्रद्धालुओं को छांव नसीब हो रही है। आए दिन धाम में हीट स्ट्रोक से बेहोश होने की घटनाएं मंदिर की अव्यवस्थाओं का आलम यह है कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को दोपहर बाद गेट नंबर एक से ललिता घाट के लिए भेज दिया जा रहा है। श्रद्धालु वहीं से नंगे पैर चलते हुए जेठ की तपती दुपहरिया में घाट पहुंच रहे हैं। आए दिन धाम में श्रद्धालुओं के हीट स्ट्रोक से बेहोश होने की घटनाएं हो रही हैं। मंडलायुक्त ने धाम का औचक निरीक्षण किया था और श्रद्धालुओं के लिए मैट और कैनोपी लगाने के लिए निर्देश दिए थे। कैनोपी जो लगाई है वह मंदिर परिसर के अंदर ही है। ललिता घाट की ओर से मंदिर चौक के प्रवेश द्वार के बाहर ही कैनोपी लगाई गई है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि इस समय श्रद्धालुओं की संख्या धाम में अधिक है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर क्षेत्र में इंतजाम कराए गए हैं। कैनोपी लगाने के साथ ही मैट भी बिछवाया गया है। बेहोश होकर गिरा कर्मचारी रविवार को धाम के गेट वे ऑफ कॉरिडोर के पास काम कर रहा मजदूर सुरेश (51) रविवार की दोपहर में गर्मी के कारण बेहोश होकर गिर पड़ा। सुरक्षाकर्मियों ने उसे उठाया और कार्यालय ले गए। इसके बाद उसे मंडलीय चिकित्सालय भेजा गया। श्री काशी विश्वनाथ धाम में शनिवार को गर्मी के कारण दो श्रद्धालु गिरकर बेहोश हो गए थे। इसमें से एक कर्मचारी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरी महिला श्रद्धालु की हालत गंभीर बनी हुई है। धाम में गर्मी से 48 घंटे में दो दर्शनार्थियों की मौत काशी विश्वनाथ धाम में रविवार को तेज गर्मी के कारण तीन श्रद्धालु बेहोश हो गए। उसमें से एक महिला श्रद्धालु की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दो को प्राथमिक इलाज के बाद छोड़ दिया गया। लगातार दूसरे दिन धाम क्षेत्र में श्रद्धालुओं के मरने और बेहोश होने की घटना के बाद मंदिर प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरतने लगा है। रविवार को कर्नाटक के बेलगाम की आशा देवी (57) परिवार के साथ दोपहर तीन बजे काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने पहुंची। इस दौरान गर्मी के कारण उनकी हालत बिगड़ गई। मंदिर परिसर में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने आशा को इलाज के लिए मंडलीय अस्पताल भेजा। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं दोपहर में एक बुजुर्ग और एक बच्चा भी गरमी के कारण बेहोश हो गया। मौके पर ही दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया। होश आने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

केशव प्रसाद मौर्य सहित भाजपा के नौ और सपा के चार प्रत्याशी निर्विरोध जीते

लखनऊ ब्यूरो : यूपी में विधान परिषद की 13 सीटों पर भाजपा के नौ और सपा के चार प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इनमें उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित जेपीएस राठौर, दानिश आजाद अंसारी, दयाशंकर मिश्रा दयालु, नरेंद्र कश्यप, जसवंत सैनी, चौधरी भूपेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा और बनवारी लाल दोहरे शामिल हैं। सपा के विजयी चार सदस्यों में स्वामी प्रसाद मौर्य, मुकुल यादव, जस्मीर अंसारी और शाहबाज खान हैं। विधान परिषद के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने प्रमाण पत्र ले लिया है। प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य यूपी विधानसभा में चुनाव लड़े थे, पर वह हार गए थे। जिसके बाद मंत्री पद पर बने रहने के लिए उन्हें किसी एक सदन का सदस्य होना जरूरी था। विधान परिषद सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल 6 जुलाई को समाप्त होने वाला था। वह एक बार फिर से सदस्य चुन लिए गए हैं।

इसके अलावा, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, आयुष, खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालु, संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश अबरार अंसारी भी विधान परिषद के सदस्य बन गए हैं। भाजपा की तरफ से नौ में सात प्रत्याशी मंत्री थे, जोकि अब विधान परिषद सदस्य हो गए हैं।

34 वी बटालियन वाराणसी कमांडेंट डाक्टर नारायण मिश्र ने पैथकाइंड टीम नाथूपुर को कैंप लगाने की अनुमति देने व शीतल शरबत पिलाकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) हमेशा की तरह 34 वी पीएसी बटालियन कंपनी वाराणसी के कमांडेंट डाक्टर नारायण मिश्र अपने ड्यूटी के साथ साथ समाज सेवा करने का भी कार्य करके जनता की दिलो में अपनी जगह बनाये हुये है।उनके द्वारा किये जा रहे इस तरह के कार्य से उनके अधीनस्थ सभी कर्मी व जनता उनकी उनकी भूरि भूरि प्रंशसा करते हुये नजर आ रहे हैं।अभी जहाँ एक ओर रविवार को 34 वी बटालियन पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी के दक्षिणी गेट पर कमांडेंट डाक्टर राजीव नारायण मिश्र की सहमति पर पैथकाइंड टीम नाथूपुर द्वारा एक कैंप का आयोजन किया गया।वही शनिवार को उन्होने इस प्रचण्ड गर्मी में निःशुल्क लोगों को शीतल शरबत पिलाकर सराहनीय के किया।रविवार को आयोजित पैथकाइंड टीम नाथूपुर द्वारा आयोजित कैंप में भारी संख्या में पीएसी के जवानो ने अपने शरीर के विभिन्न अंगो की जाँच कराते नजर आ रहे थे।इस मौके पर इन जवानो ने बताया कि कमांडेंट डाक्टर राजीव नारायण मिश्र की सहमति पर आये दिन इस तरह का आयोजन होता रहता है जो काफी सराहनीय कार्य है।इस मौके पर जाँच करने वाले में खासकर वहाँ पर मौजूद प्राजंल श्रीवास्तव,सीनियर महेश वर्मा,राम विलाश यादव ने संयुक्त रुप से बताया कि इस कैंप का आयोजन कंपनी कमांडेंट डाक्टर राजीव नारायण मिश्र की सहमति पर रविवार को सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक किया गया।जिसमे कैंप के अंदर रह रहे जवानों ने सभी दोपहर दो बजे तक इस कैंप पर आकर अपने शरीर की अलग अलग जाँच करायी।वही इसी कड़ी में अयोध्या।34 वी बटालियन पीएसी वाराणसी पीआरओ सेल के मुताबिक इस

जेठ की प्रचण्ड गर्मी में कंपनी के कमांडेंट डाक्टर नारायण मिश्र की नेतृत्व मे शनिवार को 34वीं वाहिनीं पीएसी,वाराणसी ने वाहिनी के दक्षिणी गेट के पास एक शिविर लगाकर राहगीरों के लिए शीतल स्वादिष्ट पेय की व्यवस्था कर बहुत ही सराहनीय कार्य किया।डीएलडब्लू और जीटी रोड के मध्य स्थापित इस शिविर पर बड़ी संख्या में राहगीरों ने रुक कर स्वादिष्ट मीठे शरबत का लुफ्त उठाया और जेठ मास की कड़ी धूप में राहत की सांस ली।इस मौके पर इधर से गुजरने वाले राहगीर कमांडेंट डाक्टर राजीव नारायण मिश्र व उनकी टीम द्वारा किये गये इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा एवं सराहना की।इस अवसर पर कंपनी कमांडेंट डा0 राजीव नारायण मिश्र के अलावा नरेश सिंह यादव, सहायक सेनानायक, देवपाल, शिविरपाल, रणजीत तिवारी, सुबेदार सैन्य सहायक व अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

बढ़ती गर्मी से कार्यशैली की रफ्तार हुई धीमी, सड़कों पर पसरा सन्नाटा : अधिकतम तापमान पहुंचा 43.5 डिग्री सेल्सियस

अयोध्या संवाददाता सुरेंद्र कुमार। हर साल की भांति इस साल गर्मी कुछ ज्यादा ही विकराल रूप दिखाती नजर आ रही है, दिन प्रतिदिन तेज धूप व उमस भरी गर्मी से लोगों का जीवन हुआ बेहाल। रविवार का दिन इस माह का सबसे अधिक गर्म दिन रहा। पिछले कुछ दिनों से सुबह से ही सूर्य देवता का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जो थमने का नाम नहीं ले रहा है वही सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है, लोगों की कार्यशैली की रफ्तार भी हुई धीमी। मौसम विभाग की मानें तो अभी 20 जून के पहले बारिश कि कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। इस बार मार्च से ही गर्मी अपने प्रचंड रूप में बढ़ रही थी जो अब एक विकराल का रूप धारण कर चुकी है। काम धंधे वाले लोग ही अपने घर से निकलने को मजबूर है। जून के महीने में अचानक इतनी ज्यादा गर्मी बढ़ जाना बना मुसीबत का कारण। मौसम विभाग की मानें तो रविवार को अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फिलहाल अभी गर्मी से राहत मिलना मुश्किल है वही बरसात की भी कोई होने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

वादी परंपरा तोड़ बेटियों ने पिता की अर्थी को कंधा देकर नम आखों से दी मुखाग्नि

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) वर्तमान समय में जहां एक ओर बेटियां बेटों से किसी भी मामले में पीछे नहीं है।वह अब बेटो से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है।वहीं इसी कड़ी में अब बेटियां अपने पिता की अर्थी को भी कंधा देने का काम कर रही हैं। इस कहावत को चरितार्थ कुमारगंज थाना क्षेत्र के मरूई गनेशपुर के पूरे बुच्चू तिवारी निवासी अवधराज तिवारी की बेटियों ने कर दिखाया।सूत्र के मुताबिक अवध राज तिवारी के तीन पुत्रियां ही हैं।सूत्र के मुताबिक अवध राज तिवारी जो काफी दिनों से कैंसर का दंश झेल रहे थे।आज जब उनकी मृत्यु हुई तब उनकी बेटियों ने पिता की अर्थी को कंधा लगाकर मुखाग्नि दी ,और यह साबित कर दिखाया कि समाज की भ्रांतियों से ऊपर उठकर बेटियों को एक नए समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ेगी।सूत्र के मुताबिक करीब एक साल पहले सेना में तैनात रहे शहीद पिता की अर्थी को कंधा देती साहसी बेटी शायद आपको याद हों।ऐसी ही एक मिसाल यहां भी सामने आई है जब तीन बेटियों ने पिता की अर्थी को कंधा देकर रुढ़ियों की बेड़ियां तोड़ी हैं। इन तीनों बेटियों के धैर्य, साहस और संवेदनशीलता को पूरा इलाका सैल्यूट कर रहा है।कैंसर की चपेट में आकर काल के गाल में समाए पिता की अर्थी लेकर जब तीनों बेटियां निकली तो हर आंख से आंसू बरस पड़े। गांव वाले भी रुढ़िवादी परंपरा से इतर इन बेटियों के साथ आ खड़े हुए।खास बात यह कि तीनों में सबसे छोटी बेटी ने पिता को मुखाग्नि दी।यह तस्वीर शनिवार को मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के ब्लॉक हैरिंग्टन गंज के गांव सभा मरूई गणेशपुर के बुच्चू तिवारी गांव में देखने को मिली। गांव में पहली बार परंपराओं से हटकर बेटियों ने

पिता के अर्थी को कंधा दिया। मृतक का कोई बेटा नहीं है बल्कि तीन बेटियां ही हैं।मरूई गनेशपुर पूरे बुच्चू तिवारी गांव के 52 साल अवध राज तिवारी एक वर्ष से कैंसर से पीड़ित थे, जिनका निधन शनिवार सुबह बीमारी हो गया। बड़ी बेटी बिंदु, दूसरी रेनू, छोटी बेटी रोली,जिसमें दो बेटियों का विवाह हो चुका है। बड़ी बेटी बिंदु की शादी कुमारगंज के द्विवेदीनगर गोयड़ी के अरुण द्विवेदी के साथ हुई है तो वही दूसरी बेटी रेनू की शादी तेन्धा गांव निवासी देवानंद के साथ हुई है सबसे छोटी बेटी रोली अविवाहित है।वह स्नातक की पढ़ाई कर रही है।सूत्र के मुताबिक रोली का शनिवार सुबह भूगोल का पेपर था।परीक्षा देने के बाद जब रोली घर पहुंची तो घर का नजारा देख उसकी रूह कांप गई।इसके बाद उसने अंतिम संस्कार की सारी रस्में पूरी कर मुखाग्नि दी। उसने बेटी होकर भी बेटे की तरह जिम्मेदारी पूरी कर क्षेत्र में मिसाल कायम की। बता दें कि जिस बेटी ने अपने पिता को मुखाग्नि दी वह जब 4 साल की थी तभी उसके ऊपर से मां का साया हट गया था। मृतक के दामाद कवि अरुण द्विवेदी का कहना है कि उनके ससुर ने सभी बेटियों को बेटों की तरह पाला है।

दिनेश कुमार पाठक बने पुलिस उपाधीक्षक एलआईयू अयोध्या

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डीजीपी मुख्यालय ने प्रांतीय पुलिस सेवा के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर के 71 अधिकारियों का शनिवार को तबादला कर दिया। इसमें 46 ऐसे डीएसपी हैं जो हाल ही में इंस्पेक्टर से प्रोन्नत हुए थे लेकिन उन्हें नई नैताती नहीं दी गई थी। एडीजी प्रशासन पीसी मीना की तरफ से जारी आदेश के अनुसार डीजीपी मुख्यालय में तैनात दो डीएसपी का भी तबादल कर दिया गया है। इनमें श्याम नारायण व कर्मवीर सिंह को डीएसपी बदायूं के पद पर भेजा गया है।सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ में तैनात गवेन्द्र पाल गौतम को डीएसपी बांदा, सीबीसीआईडी मुख्यालय लखनऊ में तैनात नरेश सिंह को डीएसपी अयोध्या और एससीआरबी लखनऊ में तैनात इंस्पेक्टर–डीएसपी परशुराम त्रिपाठी को डीएसपी फतेहपुर के पद पर स्थानान्तरित किया गया है।अयोध्या में तैनात इंस्पेक्टर–डीएसपी धर्मेन्द्र कुमार सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त लखनऊ कमिश्नरेट तथा एसटीएफ लखनऊ में तैनात इंस्पेक्टर–डीएसपी उदय प्रताप सिंह को एसटीएफ लखनऊ में ही डीएसपी के पद पर स्थाई रूप से तैनात कर दिया गया है। हमीरपुर में तैनात इंस्पेक्टर–डीएसपी विनोद कुमार यादव को डीएसपी महिला बाल सुरक्षा संगठन लखनऊ तथा इंस्पेक्टर–डीएसपी सीबीसीआईडी मेरठ सेक्टर में तैनात राशिद अली को डीएसपी सीबीसीआईडी लखनऊ के पद पर स्थानान्तरित किया गया है। डीजीपी मुख्यालय ने फिरोजाबाद में तैनात विनय कुमार सिंह को डीएसपी गोण्डा, देवरिया में तैनात सुरेश कुमार मिश्रा को डीएसपी अंबेडकरनगर, अमरोहा में तैनात जगदीश कुमार को डीएसपी अमेठी, ईओडब्ल्यू मुख्यालय लखनऊ में तैनात राजेन्द्र प्रसाद को डीएसपी लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती में तैनात रमेश को डीएसपी सुलतानपुर,फतेहपुर में तैनात दिनेश कुमार पाठक को डीएसपी एलआईयू अयोध्या तथा यूपी 112 लखनऊ में तैनात जयेन्द्र नाथ अस्थाना को डीएसपी बाराबंकी के पद पर स्थानान्तरित किया है।

पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।(डाक्टर आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)जिले के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के गुंधौर गांव में युवक की हत्या के बाद गत दिनो आक्रोशित लोगों द्वारा पुलिस टीम पर पत्थरबाजी और उपद्रव के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके कोतवाली पुलिस ने जेल भेज दिया।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चंद्रभान वर्मा निवासी बासुदेवपुर बीकापुर संजय यादव निवासी गुंधौर बीकापुर एवं विशाल वर्मा निवासी बासुदेवपुर शामिल है।इस संबंध में बीकापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही है।अभी तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस जेल भेज चुकी है। गुंधौर गांव निवासी करीब 25 वर्षीय युवक अर्जुन यादव की परिवारिक विवाद को लेकर आरोपी मृतक के चाचा और चाचा के परिजनों द्वारा 7 जून मंगलवार को धारदार औजार से हमला करके की गई हत्या के बाद 8 जून को ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प और बवाल हुआ था। मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा 28 नामजद और 50 अज्ञात के विरुद्ध जानलेवा हमला सहित गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पति सास ससुर समेत चार के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के पटरंगा थाना क्षेत्र के ग्राम पचलो में शुक्रवार को एक विवाहिता की हुई मौत के मामले में पिता की तहरीर पर पति व सास,ससुर सहित चार लोगों के विरुद्ध पुलिस ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।ग्राम पचलो के अशफाक ने अपने लड़के मुन्ना की शादी बाराबंकी जिले के थाना सफदरगंज के कस्बा सैदनपुर के नफीस की लड़की से करीब आठ माह पूर्व की थी।नफीस ने बताया कि शादी के बाद से ही दहेज में मोटरसाइकिल न देने की वजह से मेरी लड़की को ससुराल वाले आये दिन प्रताणित किया करते थे भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते रहते थे।एक सप्ताह पूर्व विवाहिता पैर फिसलने के कारण छत से गिर गयी थी।उसे सुमेरगंज स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।शुक्रवार को विवाहिता की मौत हो गयी।पिता नफीस ने पटरंगा थाने में तहरीर देकर अपनी लड़की की हत्या करने का आरोप लगाया।थाना प्रभारी पटरंगा विवेक कुमार सिंह ने बताया कि नफीस की तहरीर पर विवाहिता के पति मुन्ना,सास बन्नो,ससुर अशफाक सहित चार लोगों के विरुद्ध धारा 498 ए तथा 304 बी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मुख्य पशु चिकित्सधिकारी ने गौशाला का किया निरीक्षण

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्रीकृष्णा ने जिले के संडवा स्थित गौशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय उन्होंने हरा चारा,साफ सफाई भूसा के भंडारण आदि के बारे में उपस्थित सेवादार राम केवल यादव से जानकारी हासिल की।इस दौरान श्री कृष्णा ने गौशाला के चारों तरफ भ्रमण कर बारीकी से निरीक्षण किया।उन्होंने वहां पर उपस्थित सेवादारों से जानवरों की संख्या के बारे में जानकारी ली और सभी लोगों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी दशा में कोई भी जानवर भूख और प्यास से न मरने पाये।निरीक्षण के बाद मुख्य पशु चिकित्साधिकारी गौशाला की व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।इस अवसर पर पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर सीबी वर्मा भी उपस्थित थे।

जिले की छब्बीस पौधशालाओं में नहीं है राज्य पुष्प पलाश का पौधा : वन विभाग सो रहा कुम्भकर्णी नींद

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अरबों रुपये की परियोजनाओं वाले अयोध्या जिले में राज्य पुष्प पलाश को लेकर शासन–प्रशासन की कलई खुल गई है।एक ओर अयोध्या को सजाने संवारने की बड़ी कवायद चल रही तो दूसरी ओर पर्यावरण के लिए पौधरोपण की हुंकारी भरी जा रही है।एयरपोर्ट से लेकर तमाम बड़ी–बड़ी परियोजनाओं को लागू करने वाली सरकार में राज्य पुष्प पलाश के पौधे का न होना बड़े सवाल खड़ा करता है।यहां वन विभाग और शासन की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिले की 26 सरकारी पौधशालाओं में से एक में भी राज्य पुष्प पलाश के पौधों की नर्सरी नहीं है, जबकि यह पौधशालाएं विगत कई वर्षों से संचालित हैं।वही इस संबंध में पूछे जाने पर विभागीय अफसर भी चौंक पड़े। बचाव में यह बताया कि शीघ्र ही नर्सरियों में राज्य पुष्प का पौधा भी तैयार कराया जाएगा।मालुम हो कि वर्ष 2011 में तत्कालीन सरकार में पलाश के फूल को राज्य पुष्प घोषित किया गया था। इसे लेकर निर्देश भी जारी किए गए थे कि जिलों में राज्य पुष्प पलाश के पौधे लगाए जाएं, लेकिन इसे अमल में नहीं लाया जा सका। लाख तलाश

करने के बाद भी जिले में लोगों को इसका पौधा नहीं मिल रहा है।जिले में वन विभाग की पांच रेंज रुदौली, अयोध्या, कुमारगंज, बीकापुर और मया में स्थित हैं। यहां विभाग की 26 पौधशालायें हैं। इस बार भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान की तैयारी हैं लेकिन राज्य पुष्प पलाश का एक भी पौधा किसी भी पौधशाला में नहीं है। इन पौधशालाओं में केवल कुछ चिह्नित पौधों की ही नर्सरी की जाती है।इस संबंध में कृपानाथ सुधीर, उप प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि अब यदि कोई पलाश का पौधा लगाना चाहता है तो उसे निराशा के अलावा कुछ हाथ नहीं लगेगा।यह वास्तव में गंभीर बात है।ऐसा नहीं होना चाहिए।इस संबंध में जानकारी की जायेगी।भविष्य में नर्सरियों में राज्य पुष्प पलाश का पौधा भी तैयार कराया जाएगा।

जनपद के सभी पीएचसी पर हुआ आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता) आमजन के बेहतर स्वास्थ्य और ईलाज के लिए रविवार 12 जून 2022 को जनपद की सभी पीएचसी पर आयोजित हुआ।कुल पीएचसी– 34।मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में आम जन को उपलब्धा कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और आरोग्य मेले के सफल संचालन संपन्न हुआ। आरोग्य मेले के सफल संचालन के लिए विभागीय अधिकारिओं द्वारा भी विभिन्न पीएचसी पर आयोजित मेले का भ्रमण और निरीक्षण किया गया।जनपद अयोध्या की सभी पीएचसी पर आयोजित आरोग्य मेले में चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा इलाज एवम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ हासिल करने आए लोगों का ईलाज किया गया और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदान की गई।सूत्र के मुताबिक इस मेले में कुल चिकित्सकऋ 87,पैरामेडिकलऋ 317,पुरुष मरीज 703,महिला मरीज 723, बच्चे 265,आयुष्मान कार्ड बने 53,हेल्प डेस्क पर स्क्रीन हुए मरीज 721,कोविड टेस्ट 286 पॉजिटिव 0,आंख के मरीज 4,लिवर के मरीज 76,बुखार के मरीज 24,सांस के मरीज 55,पेट के मरीज 170,शुगर के मरीज 104,चर्म रोग के मरीज 150,टीबी के सस्पेक्टेड मरीज 11, एनीमिया के 23,उच्च रक्तचाप के 22,प्रसव पूर्व जांच 71, कुपोषित चिन्हित एवं ईलाज 1,रेफर 13,मलेरिया जांच 22 हुये।

मिल्कीपुर में दो पक्षों में चले लाठी डंडे : एक की मौत व तीन गंभीर : मकान पर कब्जा करने को लेकर हुआ था विवाद

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के खंडासा थाना क्षेत्र के नागीपुर गांव में घर के बंटवारे को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट में अधेड़ की मौत हो गई है। जबकि मारपीट में गंभीर रूप से घायल 3 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची खंडासा पुलिस ने ग्राम चौकीदार अधेड़ महेश यादव का शव कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए एक युवक को हिरासत में भी ले लिया है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक खंडासा थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी खंडासा से चंद कदम दूर स्थित नागीपुर गांव में राकेश कुमार यादव एवं महेश कुमार यादव के बीच मकान जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। महेश कुमार यादव ग्राम चौकीदार भी है। ग्रामीणों का कहना है कि राकेश कुमार राम सुरेश एवं रामप्रसाद ने अपना कब्जा जमाते हुए मकान भी बना लिया था और परिवार के ही महेश कुमार यादव एवं विनोद कुमार यादव को उनके हिस्से में मिली मकान भूमि पर मकान निर्माण करने से मना कर रहे थे।जिसको लेकर महेश कुमार यादव एवं विनोद कुमार यादव ने बीते शनिवार को खंडासा थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस पर शिकायत भी की थी। मामले में थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने त्वरित कार्यवाही करते हुए राजस्व एवं पुलिस कर्मियों की संयुक्त टीम मौके पर भेज

दिया था। राजस्व एवं पुलिसकर्मियों की टीम ने दोनों पक्षों में सुलह समझौता भी करा दिया था।जिसके आधार पर महेश कुमार रविवार को अपरान्ह अपने मकान का निर्माण शुरू कर दिए थे। यह बात राकेश कुमार, सुरेश कुमार और रामप्रसाद को नागवार लगी। देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी–डंडे और लोहे की रॉड से मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में महेश कुमार यादव को गंभीर चोट लग जाने के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई।जबकि विनोद कुमार यादव राम सुरेश एवं रामप्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि ग्रामीणों ने आनन–फानन में घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खंडासा पहुंचाया।जहां अस्पताल के डॉक्टरों ने घायल अधेड़ महेश कुमार यादव को मृत घोषित कर दिया।

एक बार पुनः लौटा पौराणिक भरतकुंड सरोवर का गौरव एवं सम्मान

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)विश्व विख्यात श्री राम की नगरी अयोध्या जी जो पूरे विश्व के केंद्र बिंदु में है और अयोध्या परिक्षेत्र में भगवान श्री राम के अनुज महान तपस्वी एवं त्यागवान महात्मा भरत जी की तपोस्थली नंदीग्राम भरतकुंड स्थित पौराणिक भरत सरोवर जिसका बहुत विशेष महत्व है कहा जाता है कि नंदीग्राम में 14 वर्ष की तपस्या के समय में भरत जी प्रतिदिन इस सरोवर में स्नान करते थे तथा पुनः समाधि में लीन हो जाते थे । प्रतिवर्ष चौत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को यहां विशाल मेले का आयोजन होता है । लगभग पूरे देश से लाखों श्रद्धालु भरत सरोवर में स्नान करने तथा भरत जी की तपोस्थली एवं श्री राम चरण पादुका का दर्शन करने के लिए आते हैं । विगत करीब डेढ़ साल से ग्राम पंचायत की उपेक्षा के कारण सरोवर जलकुंभी एवं गंदगी से पट गया था,स्नान करना तो दूर आचमन भी संभव नहीं था। सरोवर की मछलियां लगातार मर रही थी क्षेत्रवासियों एवं बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था । बार–बार सूचना देने पर भी प्रशासन मौन बना हुआ था ।नंदीग्राम भरतकुंड आरती सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधान, सदस्य क्षेत्र पंचायत श्री रामकृष्ण पाण्डेय तथा भरतकुंड सेवा समिति के प्रबंधक अम्बरीष चंद्र पांडे ने प्रशासन को तथा स्थानीय विधायक को भी पत्र लिखा इसी बीच बीकापुर तहसील दिवस के दौरे से लौट रहे श्रीमान जिलाधिकारी अयोध्या श्री नीतीश कुमार जी ने भरत सरोवर की दशा देखी और तत्काल संबंधित प्रशासन एवं अधिकारियों को भरतकुंड पर ही तलब कर लिया। और तत्काल सफाई का आदेश दिया सरोवर से जलकुंभी निकालने हेतु भरतकुंड सेवा समिति और नंदीग्राम भरतकुंड आरती सेवा ट्रस्ट सामने आया जिसने प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे तक श्रमदान का आवाहन किया तथा पूरे दिन पानी में काम करने के लिए प्रशिक्षित लेबर नियुक्त किए, घाटों से जलकुंभी को दूर ले जाने के लिए श्रीमान जिलाधिकारी जी के आदेश से जिले के कई ब्लॉकों से सफाई कर्मचारी लगाए गए इस तरह भरत सरोवर का निर्मलीकरण अभियान प्रारंभ हो गया यह अभियान अब अपने अंतिम चरण में है और संपूर्णता की तरफ है।श्रमदान में प्रमुख रूप से पूर्व प्रधान, सदस्य क्षेत्र पंचायत नंदीग्राम भरतकुंड आरती सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामकृष्ण पाण्डेय के नेतृत्व में भरत कुंड सेवा समिति के प्रबंधक एवं भरतकुंड महोत्सव न्यास के उपाध्यक्ष अम्बरीष चंद्र पांडे, भरतकुंड सेवा समिति के उपाध्यक्ष एवं सभासद अश्वनी कुमार तिवारी, इंजीनियर अमर सिंह ,रोहित शर्मा, शुभम शर्मा, सतीश चंद्र पाण्डेय, बुद्धूलाल निषाद, समाजसेवी काजल पाठक, चंदन शर्मा, सचिन तिवारी, चंदन शर्मा,आशीष कोटेदार,दीपक शर्मा,सुधीर नैपुरा,शिवम शर्मा,दिवाकर शर्मा,शानू शर्मा, पांडे भाई,धीरेंद्र सिंह, वसीम खान, राजकिशोर पांडे के साथ–साथ उपरोक्त संस्था से जुड़े अनेक लोग तथा स्थानीय निवासी भी शामिल हुए । श्रीमान जिलाधिकारी नीतीश कुमार जी, डीसी मनरेगा श्री नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी जी, डीपीआरओ श्री शीतला प्रसाद सिंह जी, एडीओ पंचायत श्री जीशान हैदर जी, जेई नरेगा श्री अनिल यादव जी, सचिव नंदीग्राम श्री जितेंद्र वर्मा जी एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। घाटों से जलकुंभी हटाने में के सफाई कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। आपको बताते चलें कि इस महत्वपूर्ण सरोवर में फैली गंदगी तथा अव्यवस्था की खबर सबसे पहले अवध एक्सप्रेस न्यूज ने प्रमुखता के साथ प्रकाशित की थी।

42 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई सम्मिलित राज्य–प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा) परीक्षा

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता) जिलाधिकारी नितीश कुमार ने 12 जून 2022 को जनपद के 42 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित सम्मिलित राज्यध्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा) परीक्षा– 2022 को सकुशल एवं नकल विहीन संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों के कक्षों में जाकर जारी परीक्षा का जायजा लिया इस दौरान जिलाधिकारी ने नकल विहीन एवं सुचिता पूर्ण ढंग से परीक्षा को संपन्न कराने हेतु कक्ष निरीक्षकों एवं केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया गया। इसी के साथ ही जनपद के अन्य परीक्षा केंद्रों पर भी संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट व अन्य संबंधित अधिकारी गण भी परीक्षा को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए भ्रमणशील रहे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।